

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल जज	नम्बर व तारीख फर्द अहकाम की हुकम की तारीख जारी हुआ
13.12.2022	<p>आज यह रथगन प्रार्थना पत्र प्रार्थी/प्रार्थीगण ने जरिये अधिवक्ता प्रस्तुत किया गया प्रार्थना पर सिगेदार की रिपोर्ट होने के बाद प्रकरण /प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्ट्रर किया गया। रथगन प्रार्थना पत्र पर वकील प्रार्थीगण की एक पक्षीय बहस सुनी गई वकील प्रार्थीगण की बहस एव प्रस्तुत दरतावेज , शपथ पत्र से सन्तुष्ट होकर अप्रार्थीगण के विरुद्ध इस अमर की अस्थाई निषेधाज्ञा आगामी तारीख पेशी तक जारी की जाती है कि रोही मौजा चक 1 डीपीएन के खाता संख्या 85/20 की कुल 4. 8070हैक् जिसमें वादी साहबराम का 961/24035 हिस्सा व खाता संख्या 138/44 की कुल 2.5680हैक् जिसमें वादी साहबराम का 1/8 हिस्सा तथा खाता संख्या 31/136 की कुल 0.253हैक् जिसमें वादी साहबराम का 267/6325 हिस्सा भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज में वादी साहबराम को काश्त करने में किसी भी प्रकार की बाधा/रूकावट उत्पन्न नहीं करे तथा रोही मौजा चक 1 डीपीएन के खाता संख्या 85/20 की कुल 4. 8070हैक् भूमि में स्थापित टयुबवैल से सायल व उसके भाईयो को अपने हक हिस्सा की भूमि में सिचाई करने से अप्रार्थीगण नहीं रोके। बैंक ऋण (रोडा एक्ट) , रास्ता , खाला विवाद, वाफ्कोस कार्य DILRMP कार्य पर उक्त अस्थाई निषेधाज्ञा लागू नहीं होगी वकील प्रार्थीगण तामिल हेतु सात दिवस में रजिस्टर्ड डाक की रसीद पेश करे एव आदेश 39 नियम 3 सीपीसी की पालना सुनिश्चित करे अन्यथा अस्थाई निषेधाज्ञा स्वतः ही निरस्त समझी जावेगी। इस सम्बन्ध में अप्रार्थीगण को किसी प्रकार का उज एतराज हो तो असालतन या वकालतन न्यायालय में उपस्थित होकर पेश करे अप्रार्थीगण की तलबी हेतु रजिस्टर्ड नोटिस एवं साधारण नोटिस से तलब किया जाकर पत्रावली दिनांक 23.01.2023 को पेश हो</p>	
23/1/23	<p><del>पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी गण</del>  <del>पत्रावली 24/1/23 की तलबी हेतु किया</del>                  23/1/23 को पेश हो</p>	
24/03/23	<p>दिनांक 23/03/23 को शान्तीय अदालत को पत्र पत्रावली भेज करी है ली गई। जीकापीन अधिकारी मन्स ने अस्थाई निषेधाज्ञा पत्रावली प्रलुप्त दिनांक 24/3/23 को पेश है।</p>	
24/05/23	<p>पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपर। पत्रावली अप्रार्थी की तलबी हेतु दिनांक 02/08/23 को पेश है।</p>	

6 <sup>3</sup> पत्रावली पत्र दुर्गा कतील उन्नी भुप। प्राची रूप  
 अनुपमित। भावज लगारि गरि। कोट-२ भावज  
 लगारे पर नी कतील उन्नी एव उन्नी रूप  
 प्राची. इन्नी भावे। भावज पत्रावली भद्र  
 प्राची भद्र प्राची में प्राची नी प्राची को  
 पत्रावली नम्बर के क्रम पर प्राचील प्रकट